रुपए की मजबूती अर्थव्यवस्था और निर्यातकों के लिए अच्छी

स्रोतः प्रभासाक्षी
स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 23 सितंबर 2007
अपलोड समयः 13:36

डॉलर के मुकाबले रुपए की मजबूती को निर्यात के लिए नुकसानदायक बताने की आम धारणा के विपरीत एक पक्ष यह भी है कि रुपए की यह मजबूती देश और निर्यातकों के लिए काफी फायदेमंद है। भारतीय वित्त संस्थान के मुताबिक डॉलर के मुकाबले रुपए की मजबूती से देश का व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलेगी। कच्चे तेल के आसमान छूते दाम के चलते इस मजबूती से आयात बिल कम होगा। निर्यातकों को भी इसका लाभ मिलेगा। निर्यातकों को निर्यात सेवाओं के लिए डॉलर की तुलना में कम भुगतान करना होगा। विदेशों से कच्चे माल का आयात भी सस्ता होगा और फिर सीमा शुल्क की अदायगी भी उसी अनुपात में होगी।

भारतीय वित्त संस्थान में वित्त प्रोफेसर डॉ. जेडी अग्रवाल ने कहा है कि आम धारणा यह बनी हुई है कि रुपया मजबूत होने से निर्यातकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, इससे इस साल का निर्यात लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो गया है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि रुपया मजबूत होने से निर्यातकों को कई सेवाओं और सामानों पर भुगतान कम देना होगा। उनकी माल की लागत भी कम होगी और सीमा शुल्क भी कम पड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पिछले 9 साल में सबसे ज्यादा मजबूत चल रहा है। विदेशी मुद्रा बाजार में जहां पिछले साल तक एक डॉलर के लिए 46–47 रुपए तक मिल जाते थे वहीं शुक्रवार को सप्ताह के आखिरी कार्यदिवस को एक डॉलर के लिए 39.89 रुपए का भाव था। 9 साल बाद यह स्थिति बनी है जब डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होकर 40 से नीचे आया है। निर्यातकों का कहना है कि इससे उन्हें प्रति डॉलर के हिसाब से कम रुपए मिलेंगे जिससे उनकी आय घ टेगी और कारोबार का नुकसान होगा। सूचना टेक्नालाजी कंपनियां भी कमाई में कमी आने की आशंका व्यक्त कर रही हैं।